वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष:5 अंक: 295 शुक्रवार 27 मार्च 2026 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

रामचंद्र मंदिर आरती

गुलाबी नगरी में रामनाम की गूंजः रामनवमी के पावन अवसर पर जयपुर की सड़कों पर उमड़ा आस्था का सागर, भव्य शोभायात्रा में झलकी श्रद्धा, संस्कृति और उत्साह की अद्भुत छटा।

जयपुर में स्वर्ण-रजत आभूषणों से महके श्री राम

जयपुर. कासं

मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्री राम के जन्मोत्सव 'रामनवमी' पर आज पूरा राजस्थान राममय हो गया। राजधानी जयपुर के आराध्य गोविंददेवजी मंदिर और चांदपोल स्थित अतिप्राचीन श्री रामचंद्रजी मंदिर में सुबह से ही भक्तों का तांता लगा रहा। जयपुर में ठाकुरजी को रत्नजड़ित जरदोजी पोशाक और हीरा, मोती, पन्ना तथा सोने-चांदी के आभूषणों से अलंकृत कर भव्य श्रृंगार किया गया। जयपुर के चांदपोल बाजार स्थित श्री रामचंद्रजी मंदिर में सुबह 11 बजे भगवान का भव्य जन्माभिषेक संपन्न हुआ। पुजारी द्वारा 500 किलो दूध, केसर, केवड़ा और इत्र के मिश्रण से प्रभु का स्नान कराया गया। दोपहर में भगवान के जन्म की मंगल आरती के बाद 51 किलो मावे का 'राम जन्म केक' भक्तों में वितरित किया गया। सूरजपोल अनाज मंडी से शाम को मुख्य शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा में 35 आकर्षक झांकियां, 5 हाथी, 8 ऊंट और नासिक के मशहूर ढोल शामिल रहे। खास बात यह है कि हसनपुरा क्षेत्र में मुस्लिम समाज के लोग इस यात्रा का भव्य स्वागत किया।

भगवान महावीर और सामाजिक समरसता

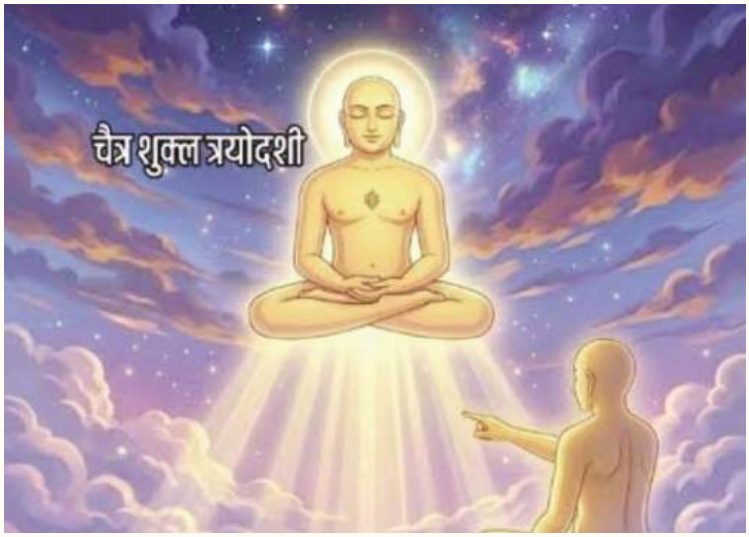

पदम जैन बिलाला

सामाजिक समरसता का अर्थ केवल समाज के विभिन्न वर्गों, जातियों और समुदायों के बीच भौतिक समानता नहीं है, बल्कि यह उन सबके बीच सौहार्द, एकता और आपसी सहयोग की वह भावना है जो विविधता को स्वीकार करती है। समरसता में समाज के अलग-अलग अनुभवों और परिस्थितियों का सम्मान करते हुए एक सामंजस्यपूर्ण वातावरण बनाया जाता है। जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी ने समरसता का मूल मंत्र दिया– ''आत्मवत् सर्वभूतेषु'' अर्थात अपनी आत्मा के समान ही सबको समझना। उन्होंने धर्म, जाति और वर्ण के भेदों को नकारकर मानवता और जीव-दया को सर्वोच्च स्थान दिया। उनके दर्शन के मुख्य स्तंभ आज भी वैश्विक शांति के लिए अत्यंत प्रासंगिक हैं:

अहिंसा परमो धर्म: महावीर ने अहिंसा को केवल शारीरिक चोट न पहुंचाने तक सीमित नहीं रखा, बल्कि इसे मन, वचन और कर्म से किसी भी जीव को कष्ट न देने की जीवनशैली के रूप में स्थापित किया। यह द्वेष, क्रोध और अहंकार का त्याग है। उनके अनुसार, सभी जीवों को जीने का समान अधिकार है।

अनेकांतवाद (वैचारिक उदारता): यह सिद्धांत सिखाता है कि सत्य के कई दृष्टिकोण हो सकते हैं। किसी भी विषय को पूरी तरह समझने के लिए दूसरों के विचारों का सम्मान करना आवश्यक है। यह विचार आज के समय में शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व और वैचारिक मतभेदों को सुलझाने का सबसे बड़ा साधन है।

समवसरण (समानता का प्रतीक): केवलज्ञान प्राप्ति के बाद जब भगवान महावीर का 'समवसरण' (दिव्य उपदेश सभा) लगता था, तो वहां मनुष्य, देव और पशु-पक्षी बिना किसी भेदभाव के एक साथ बैठकर दिव्यध्वनि सुनते थे। यह उनके समतावादी विचारों का जीवंत प्रमाण था, जहाँ योग्यता को महत्व था, वर्ण को नहीं।

अपरिग्रह (संसाधनों का संतुलन): वस्तुओं और धन के प्रति अत्यधिक मोह ही समाज में असमानता और भ्रष्टाचार को जन्म देता है। अपरिग्रह का पालन व्यक्ति की तृष्णा को कम करता है, जिससे संसाधनों का वितरण न्यायसंगत होता है और सामाजिक समरसता बढ़ती है।

परस्परोपग्रहो जीवानाम्: जैन धर्म का यह सूत्र और रजियो और जीने दोर का संदेश सभी जीवों की परस्पर सेवा और सहायता पर जोर देता है। यह सामाजिक समरसता का वह रूप है जहाँ हर जीव एक-दूसरे का पूरक है।

जैन दर्शन और समरसता का अटूट संबंध

जैन धर्म के अनुसार, प्रत्येक आत्मा में परमात्मा बनने की अनंत शक्ति है। जब सभी आत्माएं समान हैं, तो श्रेष्ठता या हीनता का कोई स्थान नहीं रह जाता। यह धर्म जाति, पंथ, रंग या लिंग के आधार पर किए जाने वाले हर भेदभाव को सिरे से नकारता है। आज जब पूरा विश्व वैचारिक कट्टरता, संघर्ष और मानसिक तनाव से जूझ रहा है, तब महावीर के अहिंसा, सहिष्णुता और करुणा के सिद्धांत ही सामाजिक सद्भाव का मार्ग प्रशस्त कर सकते हैं। उनके विचार हमें सिखाते हैं कि समाज केवल अधिकारों से नहीं, बल्कि एक-दूसरे के प्रति कर्तव्यों और सम्मान से ही 'समरस' बनता है।

राजस्थान का पहला 'भावना योग केंद्र' गंगापुर सिटी के वर्धमान हॉस्पिटल में होगा शुरू

गंगापुर सिटी. शाबाश इंडिया। चिकित्सा और आध्यात्म के अनूठे संगम के साथ गंगापुर सिटी एक नई उपलब्धि हासिल करने जा रहा है। दिगंबर जैन संत, राष्ट्र गौरव और भावना योग प्रणेता मुनि श्री 108 प्रमाण सागर जी महाराज के आशीर्वाद एवं प्रेरणा से वर्धमान हॉस्पिटल की 11वीं वर्षगांठ के अवसर पर प्रदेश के पहले 'भावना योग केंद्र' का भव्य उद्घाटन 29 मार्च 2026 को सुबह 10:00 बजे किया जाएगा।

मरीजों और परिजनों को मिलेगी मानसिक शांति

कार्यक्रम संयोजक और वर्धमान हॉस्पिटल के निदेशक डॉ. मनोज जैन एवं दिगंबर जैन सोशल ग्रुप के अध्यक्ष नरेंद्र जैन 'नृपत्या' ने बताया कि हॉस्पिटल परिसर में ही इस केंद्र के लिए एक विशेष कक्ष तैयार किया गया है। यहाँ अत्याधुनिक टेलीविजन के माध्यम से मुनि श्री प्रमाण सागर जी महाराज द्वारा निर्देशित भावना योग के विशेष सत्र प्रसारित किए जाएंगे।

बीमारियों से लड़ने में कारगर है भावना योग

डॉ. मनोज जैन के अनुसार, वर्तमान समय में भावना योग शारीरिक और मानसिक व्याधियों को दूर करने का एक वैज्ञानिक प्रयोग सिद्ध हुआ है। मन की शांति और सकारात्मक ऊर्जा के संचार में यह पद्धति अत्यंत प्रभावशाली रही है। इसी उद्देश्य के साथ वर्धमान हॉस्पिटल ने अपनी 11वीं वर्षगांठ पर जन-स्वास्थ्य और मानसिक कल्याण का यह उपहार शहरवासियों को समर्पित किया है। भावना योग केंद्र का विधिवत उद्घाटन एक विशेष गरिमामय कार्यक्रम के माध्यम से होगा, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे:

श्री सुरेंद्र जैन पांड्या (राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष, दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन)
श्री प्रकाश चंद्र जैन पाटनी (प्रदेश अध्यक्ष, भारतीय जैन मिलन)
श्रीमती शकुंतला बिंदायका (प्रदेश अध्यक्ष, दिगंबर जैन महासमिति महिला अंचल)
श्री मानसिंह गुर्जर (पूर्व विधायक), श्री शिवरत्न अग्रवाल (निवर्तमान सभापति)

कार्यक्रम संयोजक नरेंद्र जैन 'नृपत्या' ने शहर के सभी गणमान्य नागरिकों, प्रबुद्धजनों और धर्मप्रेमियों को स्वास्थ्य और आध्यात्म से जुड़े इस ऐतिहासिक कार्यक्रम में सम्मिलित होने का निमंत्रण दिया है।

जैन धर्मावलंबियों के साथ जैनेत्तर समाज ने मंगलाचार में लिया भाग

विधायिका अनीता भदेल ने अपरिग्रह का महत्व बताया

अजमेर. शाबाश इंडिया। श्री दिगंबर जैन महासमिति महिला एवं युवामहिला संभाग, अजमेर द्वारा श्रीमती कला बज के संयोजन में छतरी योजना स्थित संत शिरोमणि आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महामुनिराज की तपोस्थली पर भगवान महावीर जन्मोत्सव का कार्यक्रम भक्तिभाव एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। महासमिति की राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष मधु पाटनी ने बताया कि जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर देवाधिदेव श्री 1008 भगवान आदिनाथ तथा चौबीसवें तीर्थंकर वर्तमान शासन नायक श्री 1008 भगवान महावीर के छाया चित्रों के समक्ष प्रीति जैन, आयुषी अजमेरा, डिम्पल बज एवं रेखा जैन सहित अन्य सदस्यों ने मंगलाचरण किया। इस अवसर पर अजमेर दक्षिण की लोकप्रिय विधायिका श्रीमती अनीता भदेल ने अपने उद्बोधन में 'अपरिग्रह' के सिद्धांत का विस्तार से उल्लेख करते हुए कहा कि भगवान महावीर के बताए मार्ग को अपनाकर ही समाज में शांति और संतुलन स्थापित किया जा सकता है। कार्यक्रम संयोजक कला बज ने बताया कि 'घर-घर मंगलाचार' कार्यक्रम के अंतर्गत महासमिति की सदस्याओं, जैन धर्मावलंबियों के साथ-साथ जैनेत्तर समाज की महिलाओं– नीलम, नीतू, रीना, माधुरी, मिली, सोनू, पूजा, अन्नु आदि ने भी उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए महावीर जन्मोत्सव पर भक्ति नृत्य प्रस्तुत किया।

प्राथमिक परिसर में सत्रांत मेगा पीटीएम का भव्य आयोजन

पिंडवाड़ा. शाबाश इंडिया। ब्लॉक पिंडवाड़ा के समीपवर्ती गांव नांदिया स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय के प्राथमिक परिसर में सत्रांत के अवसर पर भव्य मेगा पीटीएम (पेरेंट-टीचर मीटिंग) का आयोजन किया गया। विद्यालय के मीडिया प्रभारी गुरुदीन वर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि राज्य सरकार के निर्देशानुसार बुधवार, 25 मार्च 2026 को इस मेगा पीटीएम का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में अभिभावकों एवं ग्रामीणों ने भाग लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए गुरुदीन वर्मा ने अभिभावकों को उनके बच्चों के परीक्षा परिणाम एवं शैक्षिक प्रगति से अवगत कराया। साथ ही उन्होंने अभिभावकों से आगामी सत्र में कक्षा प्रथम में बालिकाओं का अधिक से अधिक प्रवेश सुनिश्चित करने का आग्रह किया। मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित उप-प्रशासक सुजाराम ने अभिभावकों से बच्चों को नियमित रूप से विद्यालय भेजने पर जोर दिया। वहीं, विशिष्ट अतिथि सामाजिक कार्यकर्ता जोराराम देवासी ने अभिभावकों को बच्चों की शिक्षा पर विशेष ध्यान देने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के दौरान शिक्षक धनराज लोहार, पंचायत शिक्षक सांकलाराम एवं विक्रम कुमार गर्ग ने भी अभिभावकों को संबोधित किया। इस अवसर पर अभिभावकों को उनके बच्चों के प्रगति पत्र (प्रोग्रेस कार्ड) भी वितरित किए गए। अंत में विद्यालय के प्रधानाचार्य देवेश कुमार खत्री ने अभिभावकों से बच्चों की शैक्षिक प्रगति में सहयोग करने का आग्रह करते हुए मेगा पीटीएम में उपस्थित सभी अभिभावकों का आभार व्यक्त किया।

भगवान महावीर के 2625 वें जन्मोत्सव के अन्तर्गत आदिनाथ जयन्ती से महावीर जयन्ती तक

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन राजस्थान रीजन, जयपुर के तत्वावधान में

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति जयपुर के सहयोग से

प्रायोजक ARL ARL Infratech Ltd.

प्रायोजक समाचार जगत

ARL Infratech Ltd.

द्वारा

रक्तदान जीवन दान

रक्तदान शिविर एवं

समाज भूषण स्व. श्री राजेन्द्र के. गोधा जीवन रक्षक सम्मान 2026

शुक्रवार 27 मार्च 2026
प्रात: 9 से 1 बजे तक

Venue : ARL Infratech Ltd.
Village Dhami Khurd, Bagru, N.H-8 Ajmer Hiway

क्यों न खुद की एक पहचान बनाये। चलो रक्तदान करे और करवाये।।

:: सम्पर्क ::
श्री मधु थानवी
9413338479

: आयोजन समिति (जयपुर) :
मुख्य समन्वयक : दर्शन-विनीता बाकलीवाल
मुख्य समन्वयक : राकेश-समता गोदिका
:: समन्वयक (जयपुर) ::
राकेश संघी, राकेश छाबड़ा
अनिल राँवका, नितेश पाण्ड्या

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप, फेडरेशन राज. रीजन
अध्यक्ष : सुनील-सुमन बज, नि. अध्यक्ष : राजेश-सीमा बड़जात्या
सचिव : नीरज-रेखा जैन, कोषाध्यक्ष : प्रमोद-सोनल जैन
दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप, सन्मति
अध्यक्ष : राजेश-रानी पाटनी, नि. अध्यक्ष : मनीष-शोभना लोंगया
सचिव : संजय-ज्योति छाबड़ा, कोषाध्यक्ष : कमल-मंजू ठोलिया

Vardhman Printers # 9314263204

धर्म-कर्म

अडिग विश्वास की विजय

हेमेन्द्र क्षीरसागर

श्री राम केवल एक नाम नहीं, बल्कि मानवीय मर्यादा, नैतिकता और धैर्य का उच्चतम शिखर हैं। वे भगवान विष्णु के अवतार होकर भी इस धरा पर एक सामान्य मनुष्य के रूप में अवतरित हुए, ताकि मानव अस्तित्व की पीड़ाओं और संघर्षों को स्वयं जीकर समाज को आदर्श जीवन का मार्ग दिखा सकें। उनके जीवन की यात्रा 'राम' से 'मर्यादा पुरुषोत्तम' बनने की वह प्रक्रिया है, जिसमें उन्होंने व्यक्तिगत सुखों का त्याग कर सत्य और न्याय की स्थापना की। भगवान श्री राम का चरित्र सहनशीलता और अपार धैर्य की प्रतिमूर्ति है। अयोध्या का राजपाट त्यागकर चौदह वर्षों का वनवास स्वीकार करना और वहां एक संन्यासी की भांति जीवन व्यपन करना उनके आत्म-नियंत्रण को दशार्ता है। वे केवल राजा नहीं, बल्कि एक कुशल प्रबंधक और करुणामयी व्यक्तित्व के स्वामी थे। उन्होंने समाज के हर वर्ग, चाहे वह निषादराज हों, केवट, सुग्रीव या विभीषण सभी के साथ हृदय से मित्रता निभाई और हर रिश्ते को आत्मिक गहराई दी। उनका दयालु स्वभाव ही था कि उन्होंने सदैव पिछड़ों और वंचितों को नेतृत्व का अधिकार दिया। श्री राम की बेहतर नेतृत्व क्षमता का ही परिणाम था कि उन्होंने वानर और रीछों की साधारण सेना के सहयोग से समुद्र पर पत्थरों का सेतु निर्मित कर दिया। उनके चरित्र में भाइयों के प्रति अगाध स्नेह और समर्पण था। यही कारण था कि लक्ष्मण उनके साथ वन जाने को आतुर हुए और भरत ने राजपाट मिलने के बावजूद राम की चरण पादुकाओं को सिंहासन पर रखकर सेवक की भांति जनता की सेवा की। रामायण काल की परिस्थितियां अत्यंत जटिल थीं। वहाँ हर कदम पर छल और भ्रम था सोने का हिरण 'मारीच' निकला, सुंदर स्त्री 'शूर्पणखा' निकली और भिक्षा माँगने वाला साधु स्वयं 'रावण' निकला। लंका में हर ओर संशय और अविश्वास का वातावरण था, लेकिन उस अंधेरे में भी जब माता सीता को रामनाम की मुद्रिका मिलती है, तो वे उस पर पूर्ण विश्वास करती हैं। राम और सीता का जीवन हमें विपरीत परिस्थितियों में भी विश्वास करना सिखाता है। माता कैकेयी का निर्णय कठोर था, लेकिन राम का उनके प्रति विश्वास नहीं डगमगाया।

संपादकीय

भारत की सुरक्षा-संयम और रणनीति की विजय

पश्चिम एशिया के बदलते भू-राजनीतिक परिदृश्य और हॉर्मुज जलडमरूमध्य के बंद होने जैसी गंभीर चुनौतियों के बीच भारत ने जिस संतुलित और दूरदर्शी दृष्टिकोण का परिचय दिया है, वह सराहनीय है। यह न केवल देश की प्रशासनिक क्षमता को दर्शाता है, बल्कि अपने नागरिकों के प्रति सरकार की अटूट प्रतिबद्धता को भी रेखांकित करता है। वैश्विक उथल-पुथल के बावजूद भारत में पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस की उपलब्धता का

सामान्य बना रहना इस बात का प्रमाण है कि देश ने ऊर्जा सुरक्षा के मोर्चे पर समय रहते ठोस तैयारी कर रखी थी। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के अनुसार, देश के सभी शोधनागार वर्तमान में अपनी उच्च क्षमता पर कार्य कर रहे हैं। कच्चे तेल का पर्याप्त सामरिक भंडार उपलब्ध है और पेट्रोल-डीजल का स्टॉक संतोषजनक स्तर पर है। हालांकि, कुछ स्थानों पर अफवाहों के कारण 'घबराहट में खरीदारी' देखी गई, लेकिन सरकार ने स्पष्ट किया है कि ईंधन की कोई कमी नहीं है। घरेलू खपत को प्राथमिकता देते हुए रसोई गैस उत्पादन में भी वृद्धि की गई है। विशेष रूप से जलपान गृह, भोजनालय और सामुदायिक रसोई जैसे क्षेत्रों को आपूर्ति में प्राथमिकता देना सरकार की संवेदनशीलता को दशार्ता है, ताकि आम जनजीवन और अर्थव्यवस्था की गति प्रभावित न हो। सरकार द्वारा अधिसूचित 'प्राकृतिक गैस एवं पेट्रोलियम उत्पाद वितरण आदेश, 2026' इस दिशा में एक मील का पत्थर है। यह आदेश देशभर में वाहिनी तंत्र (पाइपलाइन नेटवर्क) के विस्तार को गति देगा और नलिका जनित प्राकृतिक गैस को एक स्वच्छ एवं सुलभ विकल्प के रूप में बढ़ावा देगा। इससे न केवल पारंपरिक ईंधनों पर दबाव कम होगा, बल्कि पर्यावरणीय दृष्टि से भी सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। इसके साथ ही, वाणिज्यिक रसोई गैस का आवंटन बढ़ाकर 50 प्रतिशत तक करना छोटे व्यवसायों के लिए बड़ी राहत साबित हुआ है। संकट के समय कालाबाजारी और जमाखोरी रोकने के लिए प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है। राज्य सरकारों के सहयोग से की गई हजारों छापेमारी और गिरफ्तारियां यह स्पष्ट करती हैं कि अवैध गतिविधियों के लिए कोई स्थान नहीं है। समुद्री क्षेत्र में भी भारत की सक्रियता उल्लेखनीय है। पश्चिमी फारस की खाड़ी में मौजूद भारतीय नाविक सुरक्षित हैं और 24 घंटे सक्रिय नियंत्रण कक्ष के माध्यम से उनके परिवारों को सहायता प्रदान की जा रही है। विदेश मंत्रालय के प्रयासों से अब तक लाखों भारतीय नागरिक विशेष विमानों और वैकल्पिक मार्गों के माध्यम से सुरक्षित स्वदेश लौट चुके हैं। भारत ने न केवल अपनी घरेलू व्यवस्था को संभाला है, बल्कि वैश्विक स्तर पर शांति और स्थिरता का संदेश भी दिया है। अंतरराष्ट्रीय संवाद के माध्यम से यह सुनिश्चित करने का प्रयास किया जा रहा है कि वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति के महत्वपूर्ण मार्ग सुरक्षित बने रहें। वर्तमान परिस्थितियां निश्चित रूप से चुनौतीपूर्ण हैं, लेकिन भारत ने जिस रणनीतिक दक्षता और समन्वय के साथ इनका सामना किया है, वह गौरवान्वित करने वाला है।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

कला, अभिव्यक्ति और बदलाव

सुनील कुमार महला

हर वर्ष 27 मार्च को पूरी दुनिया में 'विश्व रंगमंच दिवस' (वर्ल्ड थिएटर डे) मनाया जाता है। इसकी शुरूआत वर्ष 1961 में यूनेस्को से संबद्ध 'इंटरनेशनल थिएटर इंस्टीट्यूट' द्वारा की गई थी। रंगमंच को समाज का दर्पण कहा जाता है, क्योंकि यह केवल मनोरंजन का साधन नहीं, बल्कि विचार, संवेदना और सामाजिक परिवर्तन का एक सशक्त माध्यम है। वैश्विक तनाव और विभाजन के दौर में थिएटर मानवता को जोड़ने वाली कला के रूप में कार्य करता है। सरल शब्दों में कहें तो रंगमंच वह मंच है, जहां अभिनय, संवाद, संगीत और नृत्य के माध्यम से किसी कथा को जीवंत रूप दिया जाता है। महान नाटककार विलियम शेक्सपियर ने 'एज यू लाइक इट' में कहा था ''सारी दुनिया एक रंगमंच है और सभी स्त्री-पुरुष केवल पात्र हैं।'' यह विचार स्पष्ट करता है कि मानव जीवन के विभिन्न चरण बचपन से बुढ़ापे तक किसी नाटक के दृश्यों के समान हैं, जहाँ व्यक्ति समय के अनुसार अपने किरदार बदलता रहता है। भारतीय रंगमंच का इतिहास अत्यंत प्राचीन और बहुआयामी है, जिसकी जड़ें वैदिक काल के धार्मिक अनुष्ठानों और सामगान में मिलती हैं। इस परंपरा को व्यवस्थित स्वरूप देने का श्रेय भरतमुनि को जाता है, जिन्होंने 'नाट्यशास्त्र' की रचना की। यह ग्रंथ अभिनय, रस सिद्धांत और रंगमंच संरचना का विस्तृत विवेचन करता है। इसके पश्चात कालिदास, भास और शूद्रक जैसे विद्वानों ने 'अभिज्ञानशाकुंतलम्' और 'मृच्छकटिकम्' जैसे कालजयी नाटकों से संस्कृत साहित्य को स्वर्णकाल तक पहुँचाया। मध्यकाल में रंगमंच लोकजीवन से जुड़ा और रामलीला, नौटंकी, यक्षगान व जत्रा जैसे रूपों में विकसित हुआ। आधुनिक काल में हबीब तनवीर, विजय तेंदुलकर और गिरीश कर्नाड जैसे रंगकर्मियों ने सामाजिक और राजनीतिक मुद्दों को मंच पर उतारकर इसे नई दिशा दी। छत्तीसगढ़ के रामगढ़ की गुफाओं को भारत की पहली नाट्यशाला माना जाता है, जहाँ महाकवि कालिदास ने 'मेघदूत' की रचना की थी।

एक नया संकल्प

इस दिवस को मनाने का मुख्य उद्देश्य रंगमंच की कला के प्रति जागरूकता फैलाना और कलाकारों के योगदान को सम्मान देना है। वर्ष 2025 की थीम 'थिएटर और शांति की संस्कृति' थी, जबकि वर्ष 2026 में मुख्य फोकस 'वैश्विक सहभागिता और सांस्कृतिक संवाद' पर रहा है। इस वर्ष विश्व रंगमंच दिवस का 64वाँ आयोजन लक्जमबर्ग शहर में 25-27 मार्च के बीच आयोजित किया गया। इस अवसर पर आधिकारिक संदेश प्रसिद्ध अमेरिकी अभिनेता विलेम डेफो द्वारा दिया गया। उल्लेखनीय है कि वर्ष 1962 में पहला संदेश जीन कोक्टो ने दिया था, जबकि 2002 में भारत के महान नाटककार गिरीश कर्नाड को यह सम्मान प्राप्त हुआ था।

डिजिटल युग में प्रासंगिकता

आज के दौर में ओटीटी प्लेटफॉर्म और एआई जैसी तकनीकों ने पारंपरिक थिएटर को चुनौती जरूर दी है, लेकिन रंगमंच की जीवंतता और 'प्रत्यक्ष संवाद' की शक्ति आज भी अद्वितीय है। 'मदर इंडिया', 'सलाम बॉम्बे' और 'लगान' जैसी फिल्मों की सफलता के पीछे भी कहीं न कहीं रंगमंच की ही गहरी जड़ें रही हैं। रंगमंच समाज का जीवंत प्रतिबिंब है। यह हमें प्रेरित करता है कि हम इस कला को संरक्षित करें और नई पीढ़ी तक पहुंचाएं।

जियो फाइनेंशियल–Allianz की रीइंश्योरेंस JV ने भारत में शुरू किया कारोबार

एलियांज़ जियो रीइंश्योरेंस को IRDAI की मंजूरी, संचालन शुरू

मुंबई। जियो फाइनेंशियल सर्विसेज़ लिमिटेड और एलियांज़ ग्रुप के संयुक्त उद्यम एलियांज़ जियो रीइंश्योरेंस लिमिटेड ने भारत में अपना ऑपरेशन शुरू कर दिया है। कंपनी को भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण (IRDAI) से 12 मार्च 2026 को अंतिम नियामकीय मंजूरी मिली थी। मुंबई स्थित यह संयुक्त उद्यम जियो फाइनेंशियल की स्थानीय पहुंच और डिजिटल नेटवर्क को Allianz की वैश्विक अंडरराइटिंग विशेषज्ञता के साथ जोड़कर बीमा कंपनियों को जोखिम प्रबंधन क्षमता उपलब्ध कराएगा।जियो फाइनेंशियल के एमडी एवं सीईओ हितेश सेठिया ने कहा कि यह Allianz के साथ व्यापक बीमा साझेदारी की दिशा में पहला कदम है। Allianz के बोर्ड सदस्य क्रिस टाउनसेंड ने कहा कि JV भारत के बीमा बाजार के लिए दीर्घकालिक रीइंश्योरेंस समाधान विकसित करेगी।कंपनी की अगुवाई सोनिया रावल करेंगी, जिन्हें Allianz Jio Re का मुख्य कार्यकारी अधिकारी नियुक्त किया गया है। कंपनी का कहना है कि 'Insurance for All' 2047 लक्ष्य के बीच रीइंश्योरेंस क्षमता बढ़ाना सेक्टर की वृद्धि के लिए अहम होगा।

महावीराचार्य पुरस्कार डॉ. प्रगति जैन को प्रदान किया जाएगा

राजेश जैन दद्दू, इंदौर

इंदौर। जैन गणित के क्षेत्र में उत्कृष्ट अनुसंधान कार्य को प्रोत्साहित करने हेतु गणिनी प्रमुख आर्यिकारत्न ज्ञानमती माताजी की प्रेरणा से त्रिलोक शोध संस्थान, हस्तिनापुर द्वारा स्थापित महावीराचार्य पुरस्कार इस वर्ष मां कनकेश्वरी देवी शासकीय महाविद्यालय, इंदौर के गणित विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. प्रगति जैन को प्रदान किया जाएगा। यह पुरस्कार अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त गणितज्ञ प्रोफेसर डॉ. अनुपम जैन (इंदौर) के परिवार द्वारा प्रायोजित है। पुरस्कार के अंतर्गत शाल, श्रीफल, प्रशस्ति पत्र तथा 51,000 रुपए की सम्मान राशि प्रदान की जाएगी। पुरस्कार समर्पण समारोह 3 अप्रैल को दिगंबर जैन तीर्थ अयोध्या (उत्तर प्रदेश) में पूज्य ज्ञानमती माताजी एवं प्रज्ञा श्रमणी आर्यिका चंदनामती माताजी के सानिध्य में आयोजित होगा। कार्यक्रम संस्थान के पीठाधीश स्वामी रवींद्रकीर्ति जी के निर्देशन में संपन्न होगा। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में राजस्थान विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. राजीव कुमार जैन उपस्थित रहेंगे, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर की पूर्व कुलगुरु डॉ. रेणु जैन शामिल होंगी। कार्यक्रम की अध्यक्षता भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) इंदौर के पूर्व निदेशक एवं आचार्य प्रो. निलेश कुमार जैन करेंगे। सारस्वत अतिथि के रूप में यूजीसी एवं बनारस हिंदू विश्वविद्यालय से जुड़े निदेशक आनंद वर्धन शर्मा उपस्थित रहेंगे। धर्म समाज प्रचारक राजेश जैन दद्दू ने बताया कि त्रिलोक शोध संस्थान, हस्तिनापुर द्वारा स्थापित यह विश्व का पहला पुरस्कार है, जो जैन गणित के क्षेत्र में प्रदान किया जाता है। इसकी स्थापना वर्ष 2021 में संस्थान के स्वर्ण जयंती वर्ष के अवसर पर की गई थी। यह पुरस्कार अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त गणितज्ञ डॉ. अनुपम जैन द्वारा प्रायोजित है। उन्होंने बताया कि इस नियमित पुरस्कार का यह छठा वर्ष है। इससे पूर्व पांच गणितज्ञ विद्वानों को महावीराचार्य पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका है।

भगवान महावीर के 2625 वें जन्मोत्सव के अन्तर्गत आदिनाथ जयन्ती से महावीर जयन्ती तक

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन राजस्थान रीजन, जयपुर के तत्वावधान में

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति जयपुर के सहयोग से

प्रायोजक ARL

प्रायोजक समाचार जगत

रोटरी क्लब जयपुर नोर्थ एवं भारतीय जैन मिलन, जयपुर

न्यू आतिश मार्केट एसोसिएशन, सन्नी मार्ट व्यापार मण्डल एवं नवकार किचन एण्ड इन्टीरियर

द्वारा

रक्तदान जीवन दान

रक्तदान शिविर एवं

समाज भूषण स्व. श्री राजेन्द्र के. गोधा जीवन रक्षक सम्मान 2026

शनिवार 28 मार्च 2026

प्रातः 9 से 1 बजे तक

स्थान : नवकार किचन एण्ड हार्डवेयर

शॉप नं. 22, सन्नी मार्ट, न्यू आतिश मार्केट, जयपुर

Contact : Anil Jain # 9530297446

क्यों न खुद की एक पहचान बनाये। चलो रक्तदान करे और करवाये।।

रोटरी क्लब जयपुर नोर्थ

अध्यक्ष : अनिल जैन, सचिव : प्रतीक जैन

क्लब मेन्टोर : डॉ. अर्चना शर्मा

न्यू आतिश मार्केट एसोसिएशन : अध्यक्ष : विष्णु कूलवाल

सन्नी मार्ट व्यापार मण्डल : अध्यक्ष : सुरेश सिंह

: आयोजन समिति (जयपुर) :

मुख्य समन्वयक : दर्शन-विनीता बाकलीवाल

मुख्य समन्वयक : राकेश-समता गोदिका

:: समन्वयक (जयपुर) ::

राकेश संघी, राकेश छाबड़ा

अनिल राँवका, नितेश पाण्ड्या

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप, फेडरेशन राज. रीजन

अध्यक्ष : सुनील-सुमन बज, नि. अध्यक्ष : राजेश-सीमा बड़जात्या

सचिव : नीरज-रेखा जैन, कोषाध्यक्ष : प्रमोद-सोनल जैन

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप, सन्मति

अध्यक्ष : राजेश-रानी पाटनी, नि. अध्यक्ष : मनीष-शोभना लोंग्या

सचिव : संजय-ज्योति छाबड़ा, कोषाध्यक्ष : कमल-मंजू ठोलिया

मुख्य संयोजक : सुनीता जैन, अनिता जैन, महेश मंगल, तरुण जैन, रिषी जैन

संयोजक : अनिल-हेमा मण्डोत, विनायक शर्मा, कनिका शर्मा, अनिता बारदार, प्रगीत-प्रीती सोगाणी, प्रमोद-सोनल जैन, धनकुमार-अंजना जैन, अंकित-रुचि खण्डेलवाल, प्रवीण जैन, राजेन्द्र गुप्ता, हार्दिक जैन, पीयूष जैन, अमित बिंदल, मुरलीधर प्रजापत, तनुज जैन, दिनेश गुप्ता, लक्ष्मण अड़वानी, नन्दकिशोर नरयानी, राहुल जैन, अजय जैन, प्रेरणा यादव, शुभम् माहेश्वरी, पण्डित देवेन्द्र शर्मा, संदीप गुप्ता, संजय इसरानी, अभय गुप्ता

Vardhman Printers # 9314263204

सर्वतोभद्र महामंडल विधान के आठवें दिन विभिन्न जिनालयों की पूजा संपन्न

जन्म-जन्म के पुण्योदय से ही बनते हैं दीक्षा के भाव: आचार्य प्रज्ञा सागर

जयपुर. शाबाश इंडिया

सांगानेर स्थित श्री महावीर दिगंबर जैन मंदिर, चित्रकूट कॉलोनी (कंवर का बाग) में आचार्य प्रज्ञा सागर महाराज के सानिध्य में चल रहे सर्वतोभद्र महामंडल विधान के आठवें दिन विभिन्न जिनालयों की पूजा कर श्रद्धालुओं ने भक्ति भाव से अर्घ्य अर्पित किए। समिति अध्यक्ष अनिल जैन काशीपुरा एवं मंत्री मूलचंद पाटनी ने जानकारी देते हुए बताया कि महामंडल महाविधान की 101 पूजाओं में से आज 80 पूजाएं संपन्न हुईं। इस दौरान पुष्करार्ध द्वीप ईश्वरकार जिनालय, मनुष्योत्तर जिनालय, नंदीश्वर द्वीप जिनालय, कुण्डलगिरि जिनालय, रुचकगिरि जिनालय, व्यंतरदेव जिनालय, किन्नरदेव जिनालय, किंपुरुष जिनालय, महोरगदेव जिनालय, गंधर्व जिनालय तथा यक्षदेव जिनालय की पूजा की गई। इनमें विराजित जिनेन्द्र देव के समक्ष कुल 193 अर्घ्य अर्पित किए गए। आचार्य प्रज्ञा सागर महाराज के समक्ष तारानगर जैन मंदिर समाज की ओर से विशेष अर्घ्य अर्पित किया गया तथा पाद प्रक्षालन कर शास्त्र भेंट किए गए। धर्मसभा को संबोधित करते हुए आचार्य प्रज्ञा सागर महाराज ने कहा कि कोई भी व्यक्ति सहज रूप से दीक्षा नहीं लेता, बल्कि इसके लिए जन्म-जन्म के पुण्योदय का होना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि जिन धर्म की प्रभावना एवं आत्मकल्याण के लिए ही दीक्षा ग्रहण की जाती है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि जैसे नदी में पड़ा पत्थर हजारों गैलन पानी के बीच रहने के बावजूद अंदर से सूखा रहता है, उसी प्रकार व्यक्ति कितने ही प्रवचन सुन ले या पूजा कर ले, जब तक वह उन्हें अपने आचरण में नहीं उतारता, तब तक वास्तविक परिवर्तन संभव नहीं है। उन्होंने प्रेरित करते हुए कहा कि यदि इस जन्म में दीक्षा संभव न हो, तो कम से कम अगले जन्म के लिए ऐसे भाव अवश्य बनाएं। प्रशासनिक समन्वयक एडवोकेट महावीर सुरेंद्र जैन ने बताया

कि शनिवार को विधान का समापन होगा। इसके पश्चात विश्व शांति के लिए महायज्ञ का आयोजन किया जाएगा, जिसमें श्रद्धालु हवन में आहुति देकर जन-जन के कल्याण की कामना करेंगे। यज्ञ से पूर्व आचार्य श्री के मंगल प्रवचन भी होंगे। मंडल अध्यक्ष सुरेंद्र सौगनी ने बताया कि कार्यक्रम के समापन पर आचार्य श्री के सानिध्य में श्रीजी की शोभायात्रा निकाली जाएगी, जो पुनः जैन मंदिर में विराजित होगी।

भगवान महावीर के 2625 वें जन्मोत्सव के अन्तर्गत आदिनाथ जयन्ती से महावीर जयन्ती तक

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन राजस्थान रीजन, जयपुर के तत्वावधान में

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति जयपुर के सहयोग से

प्रायोजक ARL ARL Infratech Ltd.

प्रायोजक समाचार जगत

मुनिसुव्रतनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर, मांग्यावास
दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप डायमण्ड एवं सेंट टेरेसा स्कूल

द्वारा

रक्तदान जीवन दान

रक्तदान शिविर एवं

समाज भूषण स्व. श्री राजेन्द्र के. गोधा जीवन रक्षक सम्मान 2026

रविवार 29 मार्च 2026
प्रातः 9 से 2 बजे तक

स्थान : सेंट टेरेसा स्कूल
कृष्णा विहार, गोल्यावास रोड़, मानसरोवर

क्यों न खुद की एक पहचान बनाये। चलो रक्तदान करे और करवाये।।

मुनिसुव्रतनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर, मांग्यावास
प्रबन्ध समिति
प्रकाश चंद सौगानी - अध्यक्ष, दिनेश गंगवाल - मंत्री
महिला मंडल, मांग्यावास
शर्मिला सेठी - अध्यक्ष, बबिता गोधा - मंत्री
दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप डायमंड, जयपुर
राजेन्द्र सेठी - अध्यक्ष, अतुल छाबड़ा - सचिव
सुरेश गंगवाल - कोषाध्यक्ष

: आयोजन समिति (जयपुर) :
मुख्य समन्वयक : दर्शन-विनीता बाकलीवाल
मुख्य समन्वयक : राकेश-समता गोदिका
:: समन्वयक (जयपुर) ::
राकेश संघी, राकेश छाबड़ा
अनिल राँवका, नितेश पाण्ड्या

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप, फैडरेशन राज. रीजन
अध्यक्ष : सुनील-सुमन बज, नि. अध्यक्ष : राजेश-सीमा बड़जात्या
सचिव : नीरज-रेखा जैन, कोषाध्यक्ष : प्रमोद-सोनल जैन
दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप, सन्मति
अध्यक्ष : राजेश-रानी पाटनी, नि. अध्यक्ष : मनीष-शोभना लोंग्या
सचिव : संजय-ज्योति छाबड़ा, कोषाध्यक्ष : कमल-मंजू ठोलिया

Vardhman Printers # 9314263204

भक्तामर की दिव्य तरंगों से गुंजायमान हुआ शांति नगर, घर-घर से मंगलाचार में उमड़ा जनसैलाब

जयपुर. शाबाश इंडिया

शांति नगर स्थित श्री चंद्रप्रभ दिगंबर जैन मंदिर में बुधवार, 25 मार्च को सकल दिगंबर जैन समाज के तत्वावधान में 'घर-घर से मंगलाचार' कार्यक्रम का भव्य आयोजन संपन्न हुआ। भक्तामर स्तोत्र की सामूहिक गूंज से संपूर्ण क्षेत्र भक्तिमय और आध्यात्मिक ऊर्जा से सराबोर हो गया।

अभूतपूर्व उत्साह और रिकॉर्ड सहभागिता

आयोजन की सबसे खास बात श्रद्धालुओं की रिकॉर्ड संख्या रही। मंदिर प्रांगण में पहली बार इतनी विशाल संख्या में समाजजन एकत्रित हुए कि परिसर छोटा पड़ गया। भक्तामर स्तोत्र के सस्वर पाठ से उत्पन्न दिव्य ध्वनियों ने उपस्थित जनों को आत्मिक शांति और गहन आनंद की अनुभूति कराई। समाज के वरिष्ठ जनों ने इस आयोजन को क्षेत्र के इतिहास का सबसे प्रेरणादायक और सफल कार्यक्रम बताया।

समर्पण और सुव्यवस्थित प्रबंधन

कार्यक्रम की भव्यता का श्रेय प्रबंधन समिति, महिला मंडल और युवा मंडल के आपसी समन्वय और कठिन परिश्रम को जाता है। वालंटियर्स की उत्कृष्ट व्यवस्थाओं के कारण इतनी बड़ी भीड़ के बावजूद कार्यक्रम अत्यंत सुव्यवस्थित रूप से संपन्न हुआ।

विशेष सहयोग और आभार

इस आयोजन की सफलता में श्री निर्मल कुमार जी बोहरा का विशेष मार्गदर्शन और उल्लेखनीय सहयोग रहा। कार्यक्रम के अंत में आयोजकों ने समाज के प्रत्येक सदस्य के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की और विश्वास दिलाया कि भविष्य में भी इस प्रकार के आध्यात्मिक आयोजनों के माध्यम से सामाजिक एकजुटता और धर्म प्रभावना को निरंतर गति दी जाएगी।

भगवान महावीर के 2625 वें जन्मोत्सव के अन्तर्गत आदिनाथ जयन्ती से महावीर जयन्ती तक

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन राजस्थान रीजन, जयपुर के तत्वावधान में

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति जयपुर के सहयोग से

प्रायोजक ARL ARL Infratech Ltd.

प्रायोजक समाचार जगत

Cartrends Car Mall
(Automotive Solutions)

द्वारा

रक्तदान जीवन दान

रक्तदान शिविर एवं

समाज भूषण स्व. श्री राजेन्द्र के. गोधा जीवन रक्षक सम्मान 2026

सोमवार 30 मार्च 2026
प्रातः 12 से 4 बजे तक

Venue : Cartrends Car Mall
523/99, 523/298, Opp. Iskon Temple, Gate Keshar Nagar-A, Mansarovar

क्यों न खुद की एक पहचान बनाये। चलो रक्तदान करे और करवाये।।

ORGANISER :
Raj Kumar Jain, Neelam Kumar Jain, Arun Somani Kishan Somani, Atal Jain, Vishwas Jain, Ankit Jain Amit Jain, Prateek Jain, Gaurav Jain, Yash Jain

CO-ORDINATOR :
Pradeep, Madhu Sudhan Bihani, Sudhanshu, Ankit, Gaurav Rathi, Pankaj Godha, Abhishek Godha, Ravi Sogani, Mehul Sogani, Ashish Jain, Shrawan Jain, Jyoti Gupta Niranjan Tripathi (6367857737)

: आयोजन समिति (जयपुर) :
मुख्य समन्वयक : दर्शन-विनीता बाकलीवाल
मुख्य समन्वयक : राकेश-समता गोदिका
:: समन्वयक (जयपुर) ::
राकेश संघी, राकेश छाबड़ा
अनिल राँवका, नितेश पाण्ड्या

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप, फेडरेशन राज. रीजन
अध्यक्ष : सुनील-सुमन बज, नि. अध्यक्ष : राजेश-सीमा बड़जात्या
सचिव : नीरज-रेखा जैन, कोषाध्यक्ष : प्रमोद-सोनल जैन
दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप, सन्मति
अध्यक्ष : राजेश-रानी पाटनी, नि. अध्यक्ष : मनीष-शोभना लोंगया
सचिव : संजय-ज्योति छाबड़ा, कोषाध्यक्ष : कमल-मंजू ठोलिया

Vardhman Printers # 9314263204

झंडारोहण के साथ आज से अतिशय क्षेत्र श्रीमहावीरजी के वार्षिक मेले का भव्य आगाज

श्रीमहावीरजी. शाबाश इंडिया

चंद्रेश कुमार जैन अतिशय क्षेत्र श्रीमहावीरजी में वार्षिक मेले का शुभारंभ शुक्रवार, 27 मार्च 2026 को प्रातः 8:30 बजे मुख्य मंदिर में ध्वजारोहण के साथ होगा। मंदिर कमेटी के मानद मंत्री उमराव मल संघी ने बताया कि सात दिवसीय इस मेले के दौरान विभिन्न धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजनों की धूम रहेगी।

प्रमुख कार्यक्रमों की रूपरेखा

28-29 मार्च: सामूहिक आरती, भजन, शास्त्र प्रवचन और विशेष पूजन।

30 मार्च (महावीर जयंती): प्रभात फेरी, जल यात्रा और कलशाभिषेक। इस अवसर पर दिव्यांगों को कृत्रिम अंग और सिलाई मशीन वितरण जैसे सेवा कार्य होंगे। रात्रि में 'साधना मादावत इंदौर' के सौजन्य से भव्य महानाट्य की प्रस्तुति होगी।

31 मार्च: वीर संगीत मंडल जयपुर द्वारा भजन संध्या एवं राजस्थान पर्यटन विभाग के सहयोग से 'राजस्थानी सांस्कृतिक संध्या' का आयोजन।

1 अप्रैल: चरण छतरी पर सामूहिक पूजन और रात्रि 8:30 बजे से अखिल भारतीय कवि सम्मेलन।

2 अप्रैल (मुख्य आकर्षण): दोपहर 2:00 बजे भव्य रथ यात्रा कटला से प्रस्थान कर गंभीर नदी तट पहुँचेगी, जहाँ भगवान का महामस्तकाभिषेक किया जाएगा।

3 अप्रैल: मेले का समापन गंभीर नदी तट पर ग्रामीण खेलकूद और कुश्ती दंगल के साथ होगा। मेला मजिस्ट्रेट और कमेटी अध्यक्ष द्वारा व्यवस्थाओं का निरंतर निरीक्षण किया जा रहा है ताकि श्रद्धालुओं को सुलभ दर्शन और बेहतर सुविधाएं प्राप्त हो सकें।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com | weeklyshabaas@gmail.com

जिन प्रभु की भक्ति करने से मिलती है यश और पुण्यः मुनि श्री अविचल सागर जी महाराज

महापुरुषों को याद करने में सदैव आगे रहें, महावीर जयंती पर निकलेगी भव्य शोभायात्राः विजय धुर्रा

अशोकनगर. शाबाश इंडिया। सुभाष गंज में आयोजित विशाल धर्मसभा को संबोधित करते हुए मुनि श्री अविचल सागर जी महाराज ने कहा कि प्रत्येक जीव सुख चाहता है। यदि आप जिन प्रभु की भक्ति और पूजा करते हैं, तो बदले में आपको यश, सम्मान और प्रशंसा प्राप्त होती है। उन्होंने कहा कि संसार में सुख के अनेक प्रकार हैं–निरोगी काया, भौतिक संसाधन, पारिवारिक सुख आदि–और इन सभी के लिए पुण्य अर्जित करना आवश्यक है। मुनिश्री ने कहा कि अलग-अलग कार्यों से अलग-अलग प्रकार के पुण्य की प्राप्ति होती है। यदि कोई व्यक्ति औषधि दान करता है, तो उसे निरोगी और स्वस्थ शरीर का पुण्य मिलता है। उन्होंने क्षमा, विनय, दया और मधुर

वचन को पुण्य अर्जित करने का सर्वोत्तम मार्ग बताया। उन्होंने कहा कि यदि व्यक्ति अलौकिक एवं अकल्पनीय सुख चाहता है, तो उसे शास्त्रों में बताए गए 'भूत अनुकम्पा' (सभी जीवों के प्रति दया) के मार्ग पर चलना चाहिए। जिनेंद्र भगवान ने प्रत्येक प्राणी के प्रति दया और करुणा रखने का संदेश दिया है। जो व्यक्ति अपने मन, वचन और शरीर से दया का आचरण करता है, वही सच्चे अर्थों में पुण्य का संचय करता है। मुनिश्री ने आगे कहा कि क्षमा और विनय के मार्ग से अर्जित पुण्य व्यक्ति को समाज में यश दिलाता है। ऐसे व्यक्ति को हर स्थान पर सम्मान मिलता है और लोग उसका आदर करते हैं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि दान और पूजा के साथ-साथ दया, करुणा और सद्व्यवहार को भी जीवन में अपनाना आवश्यक है। इस अवसर पर जैन समाज के मंत्री विजय धुर्रा ने बताया कि अहिंसा का संदेश देने वाले जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी की 2625वीं जन्म जयंती 30 मार्च को भव्य रूप से मनाई जाएगी। श्री दिगंबर जैन पंचायत कमेटी के तत्वावधान में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित होंगे तथा भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी। उन्होंने बताया कि जैन समाज अध्यक्ष राकेश कांसल एवं महामंत्री राकेश अमरोद के नेतृत्व में आयोजित बैठक में महावीर जयंती महोत्सव की सभी तैयारियों को अंतिम रूप दे दिया गया है। इस अवसर पर उपाध्यक्ष अजीत वरोदिया, प्रदीप तरई, मंत्री शैलेन्द्र श्रागर, मंत्री संजीव भारिल्य, मीडिया प्रभारी अरविंद कचनार, ऑडिटर संजय के.टी., संयोजक उमेश सिंघई, मनीष सिंघई, मनीष रन्नौद, श्रेयांस घैला सहित अन्य समाजजन उपस्थित रहे।

महावीर
झूले पालना जन्मोत्सव
दिनांक 30 मार्च 2026, सायंकाल 6:30 बजे
भट्टारक जी की नसियाँ, नारायण सिंह सर्किल, जयपुर
सान्निध्य : तपोभूमि प्रणेता आचार्य श्री 108 प्रज्ञा सागर जी महाराज
इस कार्यक्रम में जयपुर की विभिन्न कॉलोनियों से 2 माह से 9 माह तक के बालक
"बालक महावीर के रूप में सम्मिलित होंगे।
जन्मोत्सव के पश्चात बालक महावीर के साथ-साथ सभी बाल महावीर
बालको को भी पालना झुलवाने का सौभाग्य प्राप्त होगा।
आयोजक : राष्ट्रीय गुरुआस्था परिवार ▮ निवेदक : समस्त जैन समाज जयपुर
समन्वयक : श्री मुनि सेवा संघ, बापू नगर जयपुर
मुख्य संयोजक - राजीव जैन गाजियाबाद
संयोजक : मनीष बैद, प्रिया बड़जात्या, पदम बिलाला, सुरेन्द्र कुमार मोदी
जिनेन्द्र जैन गंगवाल "जीतू", रमेश बोहरा
सह - संयोजक अनिल पाटनी, रोहित जैन, नीतू जैन "मुल्तानी", मनीष सोगानी - चित्रकूट
पंजीकरण हेतु संपर्क करें:
सीमा जैन 99280 90772 ▮ रचना बैद 95294 64041

॥ श्री शान्तिनाथाय नमः॥

श्री शान्तिवीर शिवधर्म श्रुत अजित-वर्धमान सुरभ्यो नमः॥

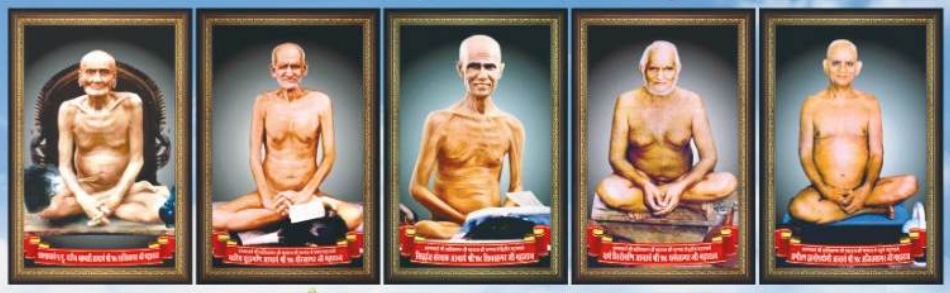

वात्सल्य वारिधि पंचम पट्टाचार्य
108 श्री वर्धमानसागर जी महाराज

श्री शान्तिनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर
शांतिवीर नगर, श्री महावीरजी (राज.)

परम पूज्य मुनिश्री 108
गुणसागर जी महाराज

भव्यातिभव्य मानस्तम्भ के निर्माण के पश्चात् प्रथम बार विराजित चतुर्मुखी जिनबिम्बों का

मानस्तम्भ महामस्तकाभिषेक

परम पूज्या गणिनी प्रमुख105
आर्यिका रत्न श्री ज्ञानमती माताजी

परम पूज्या क्षमामूर्ति 105
आर्यिका रत्न श्री आदिमती माताजी

1 अप्रैल, 2026, शान्तिवीर नगर, श्री महावीरजी (राज.)

पावन सान्निध्य :

पूज्य आर्यिका
श्री १०५ श्रुतमति माताजी

पूज्य आर्यिका
श्री १०५ सुबोधमति माताजी

प्रथम कलशकर्त्ता पुण्यार्जक परिवार
श्रावक श्रेष्ठी श्रीमान् चांदमलजी,गणपतरायजी, रतनलालजी,भागचन्दजी पांड्या सरावगी परिवार बंगलौर, गुवाहाटी

साधर्मी बन्धुओं,
सादर जय जिनेन्द्र।

20 वीं सदी के प्रथमाचार्य चारित्र चक्रवर्ती श्री 108 शान्तिसागर जी महाराज के आचार्य पद प्रतिष्ठापन शताब्दी वर्ष के अन्तर्गत पूज्य आर्यिकारत्न आगमरक्षिका 105 आदिमति माताजी के संघस्थ पूज्य आर्यिका श्री १०५ श्रुतमति माताजी एवं पूज्य आर्यिका श्री 105 सुबोधमति माताजी की सत्प्रेरणा एवं सान्निध्य में भव्यातिभव्य मानस्तम्भ में विराजित चतुर्मुखी जिनबिम्बों का भव्य महामस्तकाभिषेक आयोजित किया जा रहा है।

कृपया सपरिवार पधारकर धर्मलाभ का पुण्यार्जन करें।

प्रतिष्ठाचार्य : श्री सुरेश चन्द जी शास्त्री, निवाई (राज.)

निवेदक एवं आयोजक :

ट्रस्ट कमेटी, श्री शान्तिवीर दिगम्बर जैन संस्थान

शांतिवीर नगर, वाया श्री महावीरजी, जिला: करौली- 322 220 (राज.)
दूरभाष : 07469-224482 मो. 94143-29103

समय हमें बदल रहा है या हम समय को?

अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागरजी का आत्म-चिंतन का आह्वान

बांसवाड़ा. शाबाश इंडिया

अहिंसा संस्कार पदयात्रा के क्रम में बाहुबली कॉलोनी में प्रवास कर रहे आचार्य श्री प्रसन्न सागरजी महाराज ने धर्मसभा को संबोधित करते हुए जीवन के गूढ़ रहस्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने भक्तों के सम्मुख एक मर्मस्पर्शी प्रश्न रखा कि ''क्या हम समय को पास कर रहे हैं या समय हमें पास करता जा रहा है?''

बदलता इंसान और स्थिर प्रकृति

आचार्य श्री ने प्रसिद्ध पंक्तियों– 'देख तेरे संसार की हालत क्या हो गई भगवान, कितना बदल गया इंसान' के माध्यम से कहा कि सूरज, चाँद और आसमान आज भी वही हैं, किंतु मनुष्य का व्यवहार, खान-पान और रहन-सहन पूरी तरह बदल गया है। उन्होंने सचेत किया कि हम समय को नहीं गुजार रहे, बल्कि समय हमारी आयु को कम कर रहा है। यदि जीवन के उद्देश्य को समय रहते नहीं समझा, तो अंत में जीवन 'कोरे कागज' की भांति रिक्त रह जाएगा।

भीतर के वैभव की खोज

आचार्य श्री ने जीवन जीने के सूत्र देते हुए कहा:

मौन का अभ्यास: प्रतिदिन कम से कम 20 मिनट 'आर्य मौन' धारण करें। बिना किसी मोबाइल या इशारे के, विकारों से मुक्त होकर स्वयं में स्थित हों।

स्वयं से संवाद: प्रतिदिन सुबह या रात को सोने से पहले खुद की बातें सुनें और कुछ श्रेष्ठ पढ़कर या लिखकर सोएं।

यात्रा का आनंद: जीवन केवल लक्ष्य प्राप्ति की दौड़ नहीं, बल्कि एक खूबसूरत सफर है। इसके हर पल और प्रकृति के हर नजारे का आनंद लें, क्योंकि लक्ष्य तो मात्र एक पड़ाव है।

इस अवसर पर नरेंद्र अजमेरा और पीयूष कासलीवाल सहित बड़ी संख्या में गुरु भक्त उपस्थित रहे।

विश्व रंगमंच दिवस पर जयपुर में 'इप्टा राष्ट्रीय नाट्य रंगोत्सव 2026' का आगाज आज

'रविंद्र मंच बचाओ अभियान' को समर्पित होगा तीन दिवसीय नाट्य समारोह; शाम 6:30 बजे से सजेंगी महफिलें

जयपुर. शाबाश इंडिया

विश्व रंगमंच दिवस के उपलक्ष्य में संस्था इप्टा जयपुर द्वारा तीन दिवसीय 'इप्टा राष्ट्रीय नाट्य रंगोत्सव 2026' का आयोजन शुक्रवार, 27 मार्च से रविंद्र मंच के मुख्य सभागार में किया जा रहा है। यह पूरा समारोह रविंद्र मंच बचाओ अभियान के तहत इस ऐतिहासिक कला परिसर को समर्पित किया गया है। वरिष्ठ नाट्य निर्देशक और इप्टा अध्यक्ष संजय विद्रोही ने बताया कि भारत सरकार के कला एवं संस्कृति विभाग तथा रविंद्र मंच सोसाइटी के तत्वावधान में आयोजित यह रंगोत्सव 27 से 29 मार्च तक प्रतिदिन सायं 6:30 बजे से शुरू होगा।

तीन दिनों का नाट्य कार्यक्रम:

प्रथम दिन (27 मार्च): जामुन का पेड़

प्रसिद्ध व्यंग्यकार कृष्ण चंदर की कहानी पर आधारित यह नाटक सरकारी तंत्र की संवेदनहीनता पर तीखा प्रहार करता है। हास्य और व्यंग्य से भरपूर इस नाटक के माध्यम से 'रविंद्र मंच' की वर्तमान दुर्दशा पर भी सवाल उठाए गए हैं। इसका निर्देशन गुरमिंदर सिंह पूरी 'रोमी' ने किया है।

द्वितीय दिन (28 मार्च): फ्लर्ट

प्यार, इजहार और मानवीय रिश्तों के बीच की कशमकश को बयां करता यह नाटक युवाओं के बीच आकर्षण का केंद्र रहेगा। हास्य के पुट के साथ भावनाओं की अभिव्यक्ति को निर्देशक गगन मिश्रा ने बखूबी मंच पर उतारा है।

तृतीय दिन (29 मार्च): फेसेस इन द डस्ट

समारोह के अंतिम दिन विभाजन की त्रासदी और मानवीय पीड़ा को रेखांकित करता एक 'फिजिकल थिएटर कोलाज' प्रस्तुत किया जाएगा। युवा निर्देशक विशाल के निर्देशन में यह नाटक अतीत के जख्मों से भविष्य के लिए सबक लेने की प्रेरणा देता है।

संजय विद्रोही ने बताया कि नाटक देखने के इच्छुक दर्शकों के लिए प्रवेश 'पहले आओ, पहले पाओ' के आधार पर निशुल्क रहेगा। इप्टा जयपुर ने शहर के सभी कला प्रेमियों और रंगकर्मियों को इस उत्सव में शामिल होने का सादर निमंत्रण दिया है।

भगवान महावीर का 'जियो और जीने दो' का संदेश आज भी प्रासंगिक

विजय कुमार जैन, राघौगढ़ (म.प्र.)

अहिंसा के अवतार और युगद्दष्टा भगवान महावीर का 2625वां जन्मोत्सव हम इस वर्ष 30 मार्च 2026 (चैत्र शुक्ल त्रयोदशी) को मना रहे हैं। जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर के रूप में भगवान महावीर एक महामानव और युग-पुरुष थे। क्षत्रिय राजकुमार होने के उपरांत भी उन्होंने कभी 'विश्व विजय' का स्वप्न नहीं देखा, बल्कि उन्होंने स्वयं की इंद्रियों को जीतकर 'जिन' बनने का मार्ग प्रशस्त किया। जिस समय उनका अवतरण हुआ, दुनिया हिंसा और सामाजिक विसंगतियों से जूझ रही थी। ऐसे में उन्होंने प्राणीमात्र के कल्याण के लिए ''जियो और जीने दो'' का शाश्वत मंत्र दिया। विगत वर्षों में पूरी दुनिया ने कोरोना जैसी भीषण महामारी का दंश झेला है। वैश्विक स्तर पर यह स्वीकार किया गया कि अप्राकृतिक खान-पान और हिंसा ही ऐसी बीमारियों की जड़ है। भगवान महावीर का अहिंसा और शाकाहार का सिद्धांत आज पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक है। शाकाहारी समाज के लिए यह सुखद संदेश है कि दुनिया के कई देशों में स्वस्थ रहने के लिए अब मांसाहार त्यागकर शाकाहार को अपनाया जा रहा है।

वैश्विक राजनीति और महावीर का मार्ग

भगवान महावीर का संदेश केवल व्यक्तिगत शुद्धि तक सीमित नहीं है, बल्कि यह राष्ट्रों की नीति में भी झलकता है। भारत की 'अहिंसक विदेश नीति' और महात्मा गांधी का 'सत्याग्रह' इसी दर्शन पर आधारित है। 1971 के युद्ध के बाद स्वतंत्र बांग्लादेश का निर्माण इसका अनुपम उदाहरण है। आज जब विश्व रूस-यूक्रेन युद्ध, मध्य-पूर्व के संघर्ष और आतंकवाद जैसी समस्याओं से घिरा है, तब महावीर के अनेकांतवाद (दूसरों के दृष्टिकोण का सम्मान) और अहिंसा के माध्यम से ही शांति स्थापित की जा सकती है।

आत्मा के शत्रु और स्व-कल्याण

भगवान महावीर ने कहा था कि आत्मा के चार प्रमुख शत्रु हैं– काम, क्रोध, लोभ और मोह। इनके वशीभूत होकर व्यक्ति कभी सन्मार्ग पर

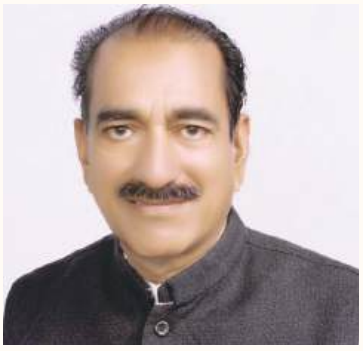

नहीं चल सकता। उन्होंने सत्य, अचौर्य, ब्रह्मचर्य और अपरिग्रह के पंचमहाव्रतों का पावन संदेश दिया। वे किसी एक जाति या संप्रदाय के न होकर संपूर्ण मानव समाज की अमूल्य धरोहर हैं। उनकी सभा 'समवसरण' में सभी धर्मों और जातियों के लोग समान रूप से उपदेश सुनते थे। उन्हें केवल जैन मंदिरों तक सीमित रखना उनके विराट व्यक्तित्व के साथ न्याय नहीं होगा। जैसा कि क्रांतिकारी संत मुनि तरुण सागर जी महाराज ने कहा था– भगवान महावीर को मंदिर की चहारदीवारी से बाहर निकालकर चौराहे पर लाना होगा।

नई पीढ़ी और संस्कार

वर्तमान में नई पीढ़ी पाश्चात्य संस्कृति के अंधानुकरण में अपने मूल संस्कारों से विमुख हो रही है। समाज का नेतृत्व करने वालों को स्वयं आदर्श प्रस्तुत करना होगा। त्याग और तपस्या से ही जीवन महान बनता है। यदि हम वास्तव में भगवान महावीर के प्रति श्रद्धा रखते हैं, तो हमें केवल औपचारिक उत्सवों तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि उनके बताए मार्ग पर चलना चाहिए। दुनिया में सुख-शांति की स्थापना के लिए हमें हर कीमत पर महावीर के मार्ग का अनुसरण करना होगा। भारत की प्राचीन विरासत हमें सिखाती है कि दूसरों की जान लेकर जीना नहीं, बल्कि दूसरों की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व अर्पण करना ही महानता है।

'मेरी भावना' की ये पंक्तियाँ उनके दर्शन को सार्थक करती हैं:

मैत्री भाव जगत में मेरा,
सब जीवों से नित्य रहे,
दीन-दुखी जीवों पर मेरे,
उर से करुणा स्रोत बहे।

राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े को भीलवाड़ा में शिवमहापुराण कथा हेतु आमंत्रण

आयोजन समिति ने राजभवन पहुंचकर दिया भावपूर्ण निमंत्रण

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया। विश्व विख्यात कथाकार पंडित प्रदीप मिश्रा द्वारा मेडिसिटी ग्राउंड, आजाद नगर, भीलवाड़ा में 8 से 14 अप्रैल तक आयोजित होने वाली श्री शिवमहापुराण कथा के लिए विशिष्टजनों को आमंत्रित किया जा रहा है। इसी क्रम में श्री शिवमहापुराण कथा आयोजन समिति के पदाधिकारियों ने कथा के सूत्रधार संकटमोचक हनुमान मंदिर के महंत बाबूगिरी महाराज एवं हाथीभाटा आश्रम के महंत संतदास महाराज के सान्निध्य में जयपुर स्थित राजभवन पहुंचकर राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े को कथा में शामिल होने हेतु भावपूर्ण आमंत्रण दिया। आयोजन समिति के विधायक अशोक कोठारी एवं कार्यकारी अध्यक्ष राधेश्याम सोमानी ने राज्यपाल को मेवाड़ में पहली बार आयोजित हो रही पंडित प्रदीप मिश्रा की शिवमहापुराण कथा की तैयारियों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कथा में आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधाओं का विशेष ध्यान रखा जा रहा है, ताकि किसी प्रकार की असुविधा न हो। समिति ने राज्यपाल से वस्त्र नगरी भीलवाड़ा पधारकर इस आयोजन की शोभा बढ़ाने का आग्रह किया। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने आयोजन के प्रति मंगलभाव व्यक्त करते हुए समिति को शुभकामनाएं प्रदान कीं। राज्यपाल से भेंट करने वाले प्रतिनिधिमंडल में आयोजन समिति के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुनील जागेटिया, सह-संयोजक सत्येंद्र बिरला, सचिव बद्रीलाल सोमानी, ललित सोमानी, राजेश कुदाल, सत्यनारायण सेन एवं अर्पित कोठारी सहित अन्य सदस्य शामिल रहे। इस अवसर पर विधायक अशोक कोठारी ने संतों द्वारा लिखित साहित्य भी राज्यपाल को भेंट किया।

महावीर इंटरनेशनल, बांसवाड़ा द्वारा नीम रस निःशुल्क वितरण का समापन, सम्मान समारोह आयोजित

सुरेश चंद्र गांधी, नौगामा (जिला बांसवाड़ा, राजस्थान)

बांसवाड़ा। महावीर इंटरनेशनल, बांसवाड़ा द्वारा पिछले आठ दिनों से चल रहे निःशुल्क नीम रस वितरण कार्यक्रम का समापन 26 मार्च 2026 को सम्मान समारोह के साथ किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत स्वर्गीय शांता देवी एवं चंदूलाल जी सेठिया की स्मृति में संजय सेठ, मनोज सेठ एवं गोकुल सेठिया का सम्मान किया गया। संस्था के अध्यक्ष महावीर सेठिया ने बताया कि उनके आर्थिक सहयोग से ही यह विशाल नीम रस वितरण कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हो सका। महिला सशक्तिकरण की डायरेक्टर भुवनेश्वरी जी ने नीम के औषधीय गुणों पर प्रकाश डालते हुए एक प्रेरक प्रसंग सुनाया, जिसमें उन्होंने बताया कि किस प्रकार नीम के सेवन से अनेक रोगों में लाभ मिलता है। सचिव मनोज सेठ ने कहा कि यदि नियमित रूप से प्रातःकाल मीठे नीम की पत्तियों का सेवन किया जाए, तो कई बीमारियों से राहत मिल सकती है। इस अवसर पर महेंद्र कवालिया द्वारा भगवती जी मालोत का विशेष सम्मान किया गया, जिन्होंने पूरे आठ दिन अपने कार्यों को त्यागकर निःशुल्क नीम रस पिसाई का कार्य किया। साथ ही वीरेंद्र जैन एवं इंदरमल जैन द्वारा कल्याण, प्रकाश जी सहित अन्य सहयोगियों का भी सम्मान किया गया, जिन्होंने प्रतिदिन प्रातः 5 बजे उठकर निःस्वार्थ भाव से नीम रस तैयार करने में योगदान दिया। कार्यक्रम में महावीर इंटरनेशनल बांसवाड़ा के अनेक सदस्य उपस्थित रहे, जिनमें प्रमुख रूप से रमेश सेठिया, दिनेश राठौड़, गजेंद्र मेहता, अशोक वोरा, सुभाष वोरा, प्रकाश कोठारी, अंकुर जैन, नरेश कावड़िया, महिपाल दोसी, देवेंद्र सामर, महेश पवार, ललित काशमा, चंद्रशेखर, हिम्मत सिंह, महेंद्र नगावत, सुधीर कोठारी, तेजपाल जैन, राकेश जावत सहित अन्य सदस्य शामिल रहे। अंत में संस्था के सचिव मनोज सेठ ने सभी सहयोगियों का आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम की सफलता के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया।

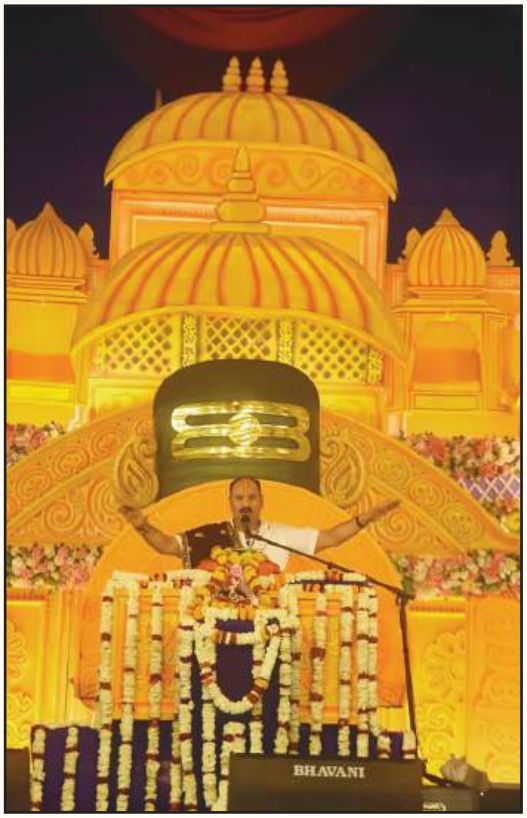

जयपुर में शिव महापुराण का भव्य समापन: उमड़ा आस्था का सैलाब, पंडित प्रदीप मिश्रा ने दीं जीवन की सीख

शक्ति के बिना शिव अधूरे, दिखावे से दूर रहकर संस्कारों को अपनाएं: सीहोर वाले महाराज

जयपुर. शाबाश इंडिया

जयपुर परिवार सेवा ट्रस्ट के तत्वावधान में मानसरोवर स्थित वीटी रोड मेला मैदान पर आयोजित सात दिवसीय 'श्री शिव महापुराण कथा' का गुरुवार को भव्य समापन हुआ। अंतिम दिन देशभर से आए लाखों श्रद्धालुओं की उपस्थिति से पूरा क्षेत्र 'शिवमय' हो गया। 'श्री शिवाय नमस्तुभ्यं' के जयकारों और भजनों की स्वर लहरियों पर झूमते भक्तों ने आध्यात्मिक ऊर्जा का अनुभव किया।

शिव-शक्ति की एकात्मता पर प्रकाश

दुर्गाष्टमी के पावन पर्व पर कथा सुनाते हुए पंडित प्रदीप मिश्रा (सीहोर वाले) ने कहा कि शिव और शक्ति एक ही सत्ता के दो रूप हैं। उन्होंने बताया कि नवरात्रि के दौरान शिवालयों में दीपदान और माता को कमल पुष्प अर्पित करने से मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। महाराज ने कहा, जैसे अंधे की लाठी उसे गड्ढे में गिरने से बचाती है, वैसे ही महादेव का नाम आपके जीवन की वह छड़ी है जो आपको कभी गिरने नहीं देगी।

राजस्थान की संस्कृति की सराहना

पंडित मिश्रा ने राजस्थान की अतिथि सत्कार परंपरा की प्रशंसा करते हुए कहा कि यहाँ जैसी मयार्दा, तीर्थ और 'आओ पधारो नी म्हारो देश' की मनुहार पूरे देश में कहीं नहीं मिलती। उन्होंने जीवन के दुखों (विष) को सुख (अमृत) में बदलने के लिए प्रतिदिन एक लोटा जल और बेलपत्र शिव को अर्पित करने का सरल उपाय बताया। आधुनिक चकाचौंध पर प्रहार करते हुए पंडित मिश्रा ने कहा कि विवाह एक पवित्र संस्कार है, दिखावे

का साधन नहीं। प्री-वेडिंग शूट जैसी प्रथाओं पर रोक लगनी चाहिए, क्योंकि इनमें धन की बर्बादी के साथ-साथ संस्कारों का हनन होता है। उन्होंने संयुक्त परिवार की महत्ता पर जोर देते हुए दांपत्य जीवन में प्रेम, विश्वास और संयम बनाए रखने की सलाह दी।

सादगी और शुद्धता का संदेश

गैस की किल्लत और वैकल्पिक संसाधनों पर चर्चा करते हुए उन्होंने पुरानी परंपराओं को याद किया। उन्होंने कहा कि लकड़ी के चूल्हे पर बनी शुद्धता और स्वाद का आनंद ही कुछ और था, जो आज की आधुनिकता में खो गया है। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने देश के विभिन्न कोनों से आए श्रद्धालुओं के पत्रों और उनके चमत्कारी अनुभवों को भी साझा किया। मुख्य व्यवस्थापक अखिलेश अत्री और मनोज पांडे ने आयोजन की ऐतिहासिक सफलता पर पुलिस प्रशासन, विभिन्न विभागों और हजारों स्वयंसेवकों का आभार व्यक्त किया। पंडित मिश्रा ने भी आयोजन टीम की उत्कृष्ट व्यवस्थाओं की सराहना की।

महाआरती के साथ पूर्णाहुति

कथा के समापन पर भव्य महाआरती का आयोजन हुआ। इसमें रक्षक सत्यनारायण-पुष्प लता बेरीवाल, मुख्य यजमान घनश्याम-पुष्पलता रावत, राकेश-रेणु रावत (मानपुर), कार्यक्रम संयोजक जुगल किशोर-राजकुमारी डेरेवाला, प्रभु नारायण-संतरा अग्रवाल और नरेंद्र-पूनम हर्ष सहित आयोजन समिति के अन्य पदाधिकारियों ने आरती उतारकर धर्म लाभ लिया।

लायंस क्लब जयपुर स्पार्कल ने कच्ची बस्ती और विद्यालय में वितरित किए सेनेटरी पैड

जयपुर. शाबाश इंडिया

मानवीय सेवा के संकल्प के साथ लायंस क्लब जयपुर स्पार्कल द्वारा मंगलवार को जिले के सेवा प्रोजेक्ट के अंतर्गत दो विशेष स्वच्छता जागरूकता एवं सेनेटरी पैड वितरण कार्यक्रमों का सफल आयोजन किया गया। इन कार्यक्रमों के माध्यम से महिलाओं और छात्राओं को व्यक्तिगत स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया। प्रथम चरण के अंतर्गत केशव विहार स्थित कच्ची बस्ती में वितरण कार्यक्रम आयोजित हुआ। जोन चेयरपर्सन ला. कमलेश सोनी के सानिध्य में आयोजित इस कार्यक्रम में बस्ती की लगभग 50 महिलाओं को सेनेटरी पैड वितरित किए गए। इस दौरान उन्हें स्वास्थ्य सुरक्षा और संक्रमण से बचाव के उपायों की जानकारी भी दी गई।

छात्राओं को दी स्वास्थ्य संबंधी जानकारी

दिन का दूसरा कार्यक्रम छोटी चौपड़ स्थित महाराजा उच्च माध्यमिक विद्यालय में संपन्न हुआ। यहाँ विद्यालय की लगभग 200 छात्राओं को सेनेटरी पैड प्रदान किए गए। इस अवसर पर जोन चेयरपर्सन ला. विनय कुमार माथुर एवं ला. रानी पाटनी ने छात्राओं को स्वच्छता और स्वास्थ्य के अंतसंबंधों के बारे में विस्तार से समझाया। साथ ही, उन्होंने लायंस क्लब द्वारा समाज के विभिन्न वर्गों के लिए किए जा रहे अन्य सेवा कार्यों से भी अवगत कराया।

विद्यालय प्रबंधन ने जताया आभार

स्कूल की शिक्षिकाओं ने लायंस क्लब की इस पहल की मुक्तकंठ से सराहना की और क्लब के सदस्यों का सम्मान किया। उन्होंने भविष्य में भी छात्राओं के कल्याण हेतु इस तरह के अन्य लाभकारी कार्यक्रमों के निरंतर आयोजन की अपेक्षा जताई। सेवा के इस प्रकल्प में क्लब अध्यक्ष ला. सुजाता स्वर्णकार, ला. रानी पाटनी, ला. विजिया कोठारी, ला. राधा रानी मित्तल और ला. विनय माथुर सहित कई गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे।

घुवारा पंचकल्याणक महोत्सव

पांचवें दिवस केवलज्ञान कल्याणक पर पट्टाचार्य श्री विशुद्ध सागर जी महाराज का भव्य आगमन

ऐतिहासिक अगवानी में उमड़ा जनसैलाब

घुवारा. शाबाश इंडिया। पंचकल्याणक महोत्सव के पांचवें दिवस केवलज्ञान कल्याणक के अवसर पर प्रातः 8:00 बजे क्षेत्रभर से आए जैन समाज की उपस्थिति में परम पूज्य चर्या शिरोमणि पट्टाचार्य श्री 108 विशुद्ध सागर जी महाराज ससंघ का भव्य एवं ऐतिहासिक स्वागत किया गया। दिव्य घोष, गाजे-बाजे एवं जयकारों 'जय गुरुदेव', 'नमोस्तु शासन जयवंत हो' के साथ लगभग एक किलोमीटर लंबी शोभायात्रा निकाली गई। इसमें महिला मंडल, बालिका मंडल, नवयुवक मंडल एवं विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारी शामिल रहे। यह भव्य जुलूस महोत्सव स्थल पहुंचकर ऐतिहासिक अगवानी में परिवर्तित हुआ।

केवलज्ञान कल्याणक पूजन के पश्चात चित्र अनावरण, दीप प्रज्वलन, पाद प्रक्षालन एवं शास्त्र भेंट की विधियां संपन्न हुईं। इसके बाद पट्टाचार्य श्री के मंगल प्रवचन हुए। प्रातः 10:30 बजे विमान शुद्धि, कलश यात्रा एवं मंदिर बेदी वास्तु हवन की क्रियाएं संपन्न की गईं। इसके पश्चात मध्यान्ह 12:00 बजे से मंत्राराधना, तिलकदान, केवलज्ञान संस्कार क्रियाएं, आधिवासना, मुखोद्घाटन, नयनोन्मीलन, सूरिमंत्र, गुणान रोपण, केवलज्ञान पूजा, हवन एवं पट्टोद्घाटन जैसे धार्मिक अनुष्ठान आयोजित किए गए। इस दौरान समवशरण दर्शन एवं भरत चक्रवर्ती की दिग्विजय यात्रा अत्यंत आकर्षक रूप में निकाली गई, जिसमें हाथी, बग्गी, घोड़े, कीर्तन मंडली, रामधुन, अखाड़ा, नगाड़े एवं दिव्य घोष के साथ भव्य आयोजन किया गया। दिव्य ध्वनि के साथ शीतल धाम के निर्माणकर्ताओं का सम्मेलन एवं सम्मान भी संपन्न हुआ। शाम 7:30 बजे मंगल महाआरती, शास्त्र प्रवचन एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित हुए। रात्रि 9:00 बजे से सत्येंद्र शर्मा कंठस्थ कला केंद्र, दिल्ली द्वारा भव्य नाट्य प्रस्तुतियां दी गईं, जिन्हें उपस्थित जनसमूह ने सराहा। इस अवसर पर विश्व विजेता भारतीय महिला क्रिकेटर क्रांति गौड़, पुलिस अधीक्षक आगम जैन, क्षेत्रीय विधायक रामसिया भारती सहित बुंदेलखंड क्षेत्र से बड़ी संख्या में जैन समाज के श्रद्धालु उपस्थित रहे।

आत्मा में उतरने पर ही संसार सागर से पार संभव: आचार्य निर्भयसागर

मुरैना में 28 मार्च से त्रिदिवसीय महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव

मुरैना (मनोज जैन नायक)। श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन बड़ा मंदिर, मुरैना में आयोजित धर्मसभा को संबोधित करते हुए दिगंबर जैनाचार्य वैज्ञानिक संत आचार्य श्री निर्भयसागर जी महाराज ने कहा कि भगवान महावीर स्वामी ने न केवल अपनी आत्मा का कल्याण किया, बल्कि समस्त जीवों के कल्याण का मार्ग भी बताया। उन्होंने कहा कि भगवान बाहर नहीं, बल्कि हमारे भीतर ही विराजमान हैं। मनुष्य उन्हें बाहर खोजता है, इसलिए भटकता रहता है। जैसे जल प्राप्त करने के लिए भूमि के भीतर खोदना पड़ता है, उसी प्रकार भगवान की प्राप्ति के लिए अपने अंतर में उतरना आवश्यक है। आचार्यश्री ने कहा कि जिस व्यक्ति पर भक्ति का रंग चढ़ जाता है, वह अंतमुर्खी हो जाता है। जो अपनी आत्मा में उतर जाता है, वही संसार सागर से पार हो सकता है। उन्होंने भगवान महावीर के वचनों का उल्लेख करते हुए कहा ''पहले डूबना सीखो, फिर तैरना सीखो'', अर्थात पहले अपने भीतर उतरना आवश्यक है। उन्होंने त्रिकाल पूजा का महत्व बताते हुए कहा कि प्रातःकाल मंदिर जाकर जिनेंद्र भगवान की पूजा करना प्रथम काल की पूजा है, मध्याह्न में दिगंबर संतों को नवधा भक्ति से आहार कराना द्वितीय काल की पूजा है, और सायंकाल आरती व स्वाध्याय करना तृतीय काल की पूजा है। आचार्यश्री ने कहा कि घर सामान्यतः मरघट के समान है, लेकिन जब उसमें दिगंबर मुनि आहार ग्रहण करने आते हैं, तो वही घर मंदिर बन जाता है। उन्होंने सेवा और सहयोग को भी अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि इससे तीर्थंकर प्रकृति का बंध होता है। संत समाज आत्मा रूपी वस्त्र को निर्मल करने वाले धोबी के समान है। अपने प्रेरक संदेश में उन्होंने कहा कि जन्म भाग्य के अनुसार होता है, लेकिन मृत्यु पुरुषार्थ के अनुसार होनी चाहिए। समाधि मरण अगले जन्म को सुधारने की कुंजी है।

त्रिदिवसीय महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव

प्रतिष्ठाचार्य संजय शास्त्री सिहोनिया के अनुसार नगर में विराजमान आचार्य श्री निर्भयसागर जी महाराज ससंघ के सान्निध्य में भगवान महावीर स्वामी जन्म कल्याणक का त्रिदिवसीय महोत्सव 28 से 30 मार्च तक हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा।

कार्यक्रम इस प्रकार रहेंगे

28 मार्च (शनिवार): प्रातः जिनेंद्र भगवान का अभिषेक व शांतिधारा, आचार्यश्री के मंगल प्रवचन एवं आचार्य श्री विपुलसागर जी महाराज का अवतरण दिवस। सायं 7 बजे जिनवाणी धर्म जागरण यात्रा बड़े जैन मंदिर से कीर्ति स्तंभ तक

निकलेगी, जहां 48 दीपकों से भक्तांबर महाअर्चना होगी।

29 मार्च (रविवार): प्रातः 5 बजे प्रभात फेरी, 8 बजे महामंत्र णमोकार पाठ एवं प्रवचन। आचार्य पदारोहण दिवस एवं भगवान महावीर स्वामी विधान। सायंकाल इंद्रसभा एवं माता के सोलह स्वप्नों का दृश्य प्रदर्शन।

30 मार्च (सोमवार): प्रातः 7 बजे भव्य श्रीजी रथयात्रा, 11 बजे कलशाभिषेक, 12 बजे सामूहिक वात्सल्य भोज, सायंकाल भगवान महावीर स्वामी का पालना झुलाने का कार्यक्रम।

अहमदाबाद में माँ सच्चियाय की भक्ति की बही गंगा: भव्य शोभायात्रा और भजन संध्या में उमड़े हजारों श्रद्धालु

मुकेश आर. चौपड़ा. शाबाश इंडिया

अहमदाबाद. शाबाश इंडिया। श्री राजराजेश्वरी सच्चियाय माता ट्रस्ट एवं भक्त मंडल के तत्वावधान में आयोजित माँ सच्चियाय के नाम, भव्य भक्ति की एक शाम कार्यक्रम बुधवार, 25 मार्च 2026 (चैत्र सुदी सप्तमी) को अत्यंत श्रद्धा और हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। इस आध्यात्मिक महोत्सव में हजारों की संख्या में उमड़े श्रद्धालुओं ने अहमदाबाद के वातावरण को पूरी तरह भक्तिमय बना दिया।

रजत रथ पर सवार होकर निकलीं माताजी, मेयर ने दिखाई हरी झंडी

ट्रस्ट के अध्यक्ष जगदीश चौपड़ा ने बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभ शाहीबाग स्थित मोनालिसा अपार्टमेंट से एक भव्य शोभायात्रा के रूप में हुआ। अहमदाबाद की मेयर श्रीमती प्रतिभा जैन ने विशेष रजत रथ में विराजमान माँ सच्चियाय की सजीव छवि की आरती उतारकर और हरी झंडी दिखाकर शोभायात्रा को रवाना किया। 51 आकर्षक ध्वजाओं, ढोल-नगाड़ों और बैंड की मधुर धुनों के साथ श्रद्धालु सरदार पटेल स्मारक और सर्किट हाउस मार्ग होते हुए 'भक्ति हॉल' पहुँचे। मार्ग में संगीत सम्राट मनीष जैन और शैलेश पटवारी ने भजनों की सुंदर प्रस्तुति दी।

56 भोग और भक्ति संध्या का उल्लास

शोभायात्रा के समापन स्थल पर माताजी का पुष्पवर्षा और अक्षत बधावना के साथ स्वागत किया गया। पूज्य बासा श्री अमरचंदजी राठौड़ (मलाड़-मुंबई) के आशीर्वाद से माताजी को 56 भोग अर्पण किए गए, जिसमें महिला मंडल ने सुमधुर मंगल गान किया। भक्ति संध्या का श्रीगणेश जिज्ञासा पिच्छा ने नवकार महामंत्र से किया। इसके पश्चात बाड़मेर के गौरव मालू ने भावपूर्ण गणेश वंदना से वातावरण को मंगलमय बनाया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण जोधपुर के 10 वर्षीय बाल

कलाकार कृषिव बागरेचा रहे, जिनकी जोशीली प्रस्तुति पर भक्त स्वयं को झूमने से रोक नहीं पाए। उदयपुर की प्रसिद्ध गायिका केमिता राठौड़ ने अपनी ऊजार्वान गायकी से ऐसी रमझट जमाई कि पूरा पंडाल जयकारों से गूंज उठा।

लाभार्थी परिवार का अभिनंदन और मंदिर निर्माण का संकल्प

कार्यक्रम के मुख्य लाभार्थी मांगीलाल सुमेरमल कंकु चौपड़ा (हिराणी) परिवार (पचपदरा-अहमदाबाद-सूरत) का ट्रस्ट मंडल द्वारा तिलक, साफा, माला और स्मृति चिह्न भेंट कर संगीतमय अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर ट्रस्ट ने हर्ष व्यक्त करते हुए बताया कि तेरापंथ भवन के समीप मंदिर निर्माण हेतु भूमि क्रय की जा चुकी है और शीघ्र ही वहां माँ सच्चियाय का भव्य मंदिर आकार लेगा।

महाआरती के साथ समापन

रात्रि 11:30 बजे विशेष 'चुंदड़ी' कार्यक्रम का आयोजन हुआ, जिसमें सभी भक्तों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। अंत में 108 दीपकों के साथ माताजी की महाआरती उतारी गई। संपूर्ण कार्यक्रम का कुशल मंच संचालन मुकेश आर. चौपड़ा (सिवाना-अहमदाबाद) द्वारा किया गया। आयोजन को सफल बनाने में भक्त मंडल, महिला मंडल और कंकु चौपड़ा परिवार के सभी सदस्यों का विशेष श्रम रहा।

सत्य चर्चा का विषय नहीं, मोक्ष की सीढ़ी है: अंतर्मना आचार्य प्रसन्न सागर जी

बाहुबली कॉलोनी में उमड़ा श्रद्धा का सैलाब, गुरुदेव ने बताए जीवन कल्याण के सूत्र

बाहुबली कॉलोनी (बांसवाड़ा)

सुमति नाथ जिनालय में विराजमान अंतर्मना आचार्य 108 श्री प्रसन्न सागर जी महाराज के सानिध्य में इन दिनों भक्ति और ज्ञान की त्रिवेणी बह रही है। प्रतिदिन तड़के 4:30 बजे आयोजित होने वाली 'दीप पूजा' में जन-सैलाब उमड़ रहा है, वहीं गुरुदेव के मंगल प्रवचन भक्तों को आत्म-कल्याण का मार्ग दिखा रहे हैं। समाज के प्रवक्ता महेंद्र कवालिया ने बताया कि शुक्रवार को प्रातःकालीन सभा में आचार्य श्री ने 'सत्य' की महत्ता को प्रतिपादित किया। आचार्य श्री ने उद्बोधन में कहा कि सत्य केवल विमर्श का विषय नहीं, अपितु मोक्ष का सोपान (सीढ़ी) है। वाणी के महत्व को समझाते हुए उन्होंने इसके तीन भेद स्पष्ट किए:

निजवाणी: जो स्वयं के व्यक्तिगत विचार हैं।

जनवाणी: जो लोक-मत या बहुमत की धारणा है।

जिनवाणी: जो तीर्थंकरों द्वारा प्रतिपादित शास्त्रों में अंकित है।

उन्होंने जोर देकर कहा कि शास्त्रों में निहित सत्य को बिना तर्क और पूर्ण श्रद्धा के साथ स्वीकार करना ही वास्तविक धर्म है। वाणी में तनिक भी असावधानी मनुष्य को भारी क्षति पहुँचा सकती है, अतः बोलने से पूर्व चिंतन अनिवार्य है।

मानवता और सुखी जीवन के सूत्र

गुरुदेव ने मानवता और प्रेम का मर्मस्पर्शी संदेश देते हुए कहा कि प्यार परिचय को पहचान बना देता है, वीराने को गुलिस्तान बना देता है; पराया नहीं, अपनों का दर्द ही आदमी को इंसान बना देता है। आज के भौतिकतावादी युग पर कटाक्ष करते हुए उन्होंने जीवन को सुखी बनाने का मंत्र दिया:

संसार: यहाँ केवल सुख की चाह है, पर वास्तविक शांति भीतर है।

जीना: वर्तमान में जीवन केवल 'भोग' में व्यतीत हो रहा है।

शरीर: संयम के अभाव में शरीर रोगों का घर बनता जा रहा है।

संबंध: अंततः वियोग निश्चित है, अतः मोह का त्याग करें।

संत समागम: यही आत्म-उपयोग और शाश्वत कल्याण का एकमात्र मार्ग है।

आचार्य श्री ने भक्तों का आह्वान किया कि यदि मनुष्य इन सूत्रों को अपने आचरण में उतार ले, तो वह जीवन की कठिनतम परिस्थितियों को भी सुगमता से पार कर सकता है।

ऊर्जा संकट पर राजस्थान में एकजुटता: इजराइल-ईरान युद्ध के बीच प्रदेश में तेल-गैस की स्थिति पर मंथन

मुख्यमंत्री ने बुलाई सर्वदलीय बैठक, विपक्ष ने दिया संकट में साथ निभाने का भरोसा

केंद्र ने राजस्थान का वाणिज्यिक गैस कोटा 10% बढ़ाया

जयपुर. शाबाश इंडिया

पश्चिम एशिया में गहराते युद्ध के बाद उत्पन्न वैश्विक ऊर्जा संकट की छाया अब देश के राज्यों पर भी दिखने लगी है। राजस्थान में पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस की भविष्य की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरुवार को राजधानी जयपुर में एक महत्वपूर्ण सर्वदलीय बैठक बुलाई। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य प्रदेश की वर्तमान ऊर्जा स्थिति की समीक्षा करना और राजनीतिक मतभेदों से ऊपर उठकर जनहित में साझा रणनीति तैयार करना था। बैठक को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रदेशवासियों को आश्वस्त किया कि राजस्थान में वर्तमान में पेट्रोलियम पदार्थों और गैस का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह संकट न तो केंद्र सरकार की नीतियों का परिणाम है और न ही राज्य सरकार की किसी विफलता का। यह एक अंतर्राष्ट्रीय आपदा है जो इजराइल, अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते सैन्य तनाव के कारण उत्पन्न हुई है। मुख्यमंत्री ने कहा, प्रदेश के नागरिकों को चिंता करने की कतई आवश्यकता नहीं है। हमारे पास आपूर्ति श्रृंखला को सुचारू रखने के लिए पर्याप्त संसाधन हैं। सरकार हर स्थिति पर पैनी नजर रखे हुए है। जनता को पैनिक (घबराहट) में आने के बजाय केवल सतर्क रहने और संसाधनों का विवेकपूर्ण उपयोग करने की जरूरत है। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतें बढ़ने के बावजूद प्रदेश में पेट्रोल-डीजल और गैस के दाम स्थिर रखे जाएं। सरकार जनता को श्वेत पत्र या आधिकारिक आंकड़ों के जरिए बताए कि वर्तमान में मांग कितनी है और आपूर्ति का वास्तविक स्तर क्या है, ताकि अफवाहों पर लगाम लग सके। आगामी शादी-ब्याह के सीजन को देखते हुए घरेलू सिलेंडरों की किल्लत न हो। साथ ही हॉस्टल, होटल और उद्योगों की आपूर्ति भी बाधित न हो।

टीकाराम जूली ने दिया सहयोग का वचन

लोकतंत्र की खूबसूरती तब और निखर जाती है जब संकट के समय सत्ता और विपक्ष एक सुर में बोलते हैं। सर्वदलीय बैठक में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने बेहद सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाते हुए कहा कि आपदा की इस घड़ी में कांग्रेस और पूरा विपक्ष सरकार के साथ खड़ा है। जूली ने स्पष्ट किया कि जनहित के मुद्दों पर राजनीति नहीं होनी चाहिए और वे सरकार के हर उस कदम का समर्थन करेंगे जो आम आदमी को राहत पहुंचाएगा।

राजस्थान को 10% अतिरिक्त आवंटन

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के विशेष आग्रह पर केंद्र सरकार ने राजस्थान को बड़ी राहत दी है। वाणिज्यिक (कमर्शियल) गैस की बढ़ती मांग और संभावित किल्लत को देखते हुए केंद्र ने राजस्थान के कोटे में 10 प्रतिशत अतिरिक्त आवंटन की घोषणा की है। मुख्यमंत्री ने इस त्वरित सहयोग के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्रालय का आभार व्यक्त किया। विशेषज्ञों का मानना है कि इस अतिरिक्त आवंटन से प्रदेश के होटल और रेस्टोरेंट उद्योग को बड़ी राहत मिलेगी, जो हाल के दिनों में आपूर्ति की अनिश्चितता से जूझ रहे थे। बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने प्रशासन को सख्त निर्देश दिए कि संकट का फायदा उठाकर जमाखोरी या कालाबाजारी करने वालों के खिलाफ कठोरतम कार्रवाई की जाए। जिला कलेक्टरों को निर्देश दिए गए हैं कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में निगरानी समितियां सक्रिय करें।

वाराणसी की तंग गलियों में फिर लौटेगा 'रांझणा' का जादू

'तेरे इश्क में' का वर्ल्ड टेलीविजन प्रीमियर

मुंबई. शाबाश इंडिया

भारतीय सिनेमा की कल्ट क्लासिक फिल्म 'रांझणा' के 12 साल बाद, नेशनल अवॉर्ड विजेता अभिनेता धनुष और निर्देशक आनंद एल. राय की मशहूर जोड़ी एक बार फिर दर्शकों को वाराणसी के रहस्यमयी घाटों और तंग गलियों में ले जाने के लिए तैयार है। बहुप्रतीक्षित फिल्म ''तेरे इश्क में'' अब अपने वर्ल्ड टेलीविजन प्रीमियर के साथ घरों तक पहुंचने वाली है। सिर्फ एक फिल्म से कहीं ज्यादा, 'तेरे इश्क में' को 'रांझणा' की वैचारिक अगली कड़ी माना जा रहा है। जहाँ 'रांझणा' ने कुंदन का भोलापन और ज़िद दिखाई थी, वहीं 'तेरे इश्क में' धनुष 'शंकर' के रूप में नजर आएंगे, जो कुंदन का एक गहरा और उग्र रूप है। गंगा के घाटों पर धनुष को एक बार फिर उसी चिर-परिचित अंदाज में देखना प्रशंसकों के लिए एक भावुक और यादगार पल है।

कृति सेनन का सधा हुआ अभिनय

फिल्म में कृति सेनन ने अपने करियर का अब तक का सबसे परिपक्व और बेहतरीन अभिनय किया है। वे फिल्म की उथल-पुथल भरी ऊर्जा को अपनी गहराई और बारीकियों के साथ संतुलित करती हैं, जो कहानी को एक नया आयाम देता है।

निर्देशक आनंद एल. राय के बोल

फिल्म के बारे में बात करते हुए आनंद एल. राय ने कहा, एक निर्देशक के तौर पर मेरे लिए सबसे जरूरी यह है कि क्या मेरे पास उस कहानी को बताने का कोई ठोस कारण है। ''तेरे इश्क में'' के मामले में, इसका जवाब तुरंत 'हाँ' था। यह प्यार के उस गहरे और तीव्र रूप को दिखाती है जो रूह को छू जाता है।